an>

Title:

श्री सत्यपाल सिंह **(**सम्भल**) :** अध्यक्ष महोदया, बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपका ध्यान अत्यंत महत्वपूर्ण अपने सम्भल लोक सभा क्षेत्र की ओर आकृष्ट कर रहा हूँ। यह एक ऐतिहासिक नगर है, यह पृथ्वीराज चौहान की राजधानी भी रहा है और यहाँ पर कल्कि भगवान का अवतरण भी होगा। यह आज एक अत्यंत पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। यहाँ बूचड़खाने से उत्पन्न समस्याओं का अंबार लगा रहता है। यहाँ वैध-अवैध सैकड़ों की संख्या में बूचड़खाने हैं, जो किसी भी मानक को पूरा नहीं करते हैं। इनसे उत्पन्न समस्याओं के कारण यहाँ स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ आम हो गई हैं। बूचड़खाने में अवशेष के निष्पादन की कोई ठोस व्यवस्था भी नहीं है। खुले आम माँस के टुकड़े और अन्य अवशेष खुले में फेंक दिए जाते हैं। इसके कारण तमाम रोगों को आमंत्रण मिलता है। सड़ांध के कारण लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। बूचड़खाने में गंदगी निकलने की कोई ठोस अंडर-ग्राउंड ड्रेनेज व्यवस्था नहीं है। इस व्यवस्था के न होने के कारण खुले नाले में इसके व्यय पदार्थ को कचरे के साथ बहा दिया जाता है। इससे जहाँ तक नाले का पानी जाता है, वहाँ तक वातावरण विषाक्त हो जाता है। नाले का पानी पीने से पशु-पक्षी भी इसके शिकार हो रहे हैं।

महोदया, मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि इसकी रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि मनुष्य के साथ-साथ पशु-पक्षी और वातावरण पर मंडराते खतरे को रोका जा सके। धन्यवाद।

12.33 hrs.

SUBMISSIONS BY MEMBERS...Contd..